शाखा परिसर के भीतर व आस-पास ग्राहकों से नकद हडपने के लिए अपराधियों द्वारा आचरण की जाने वाली कार्य प्रणाली

सिक्कों का प्रयोग

अपराधी उन व्यक्तियों पर नज़र रखते हैं जो अधिक मात्रा में नकद का आहरण करते हैं और उस समय उन पर हमला बोलते हैं जब ग्राहक का ध्यान कैश काउंटर पर रुपयों को गिनने पर होता है। चोर क्यू में ग्राहक के पीछे-पीछे बैंक के अन्य सामान्य ग्राहक की तरह नकद आहरण करने के बहाने आते हैं। अहम वक्त पर कुछ चिल्लर ज़मीन पर फेकते हैं और नकद गिनने वाले ग्राहक के ध्यान बटक जाता है। चोर इस लम्हे का फाईदा उठाते हुए ग्राहक के हाथ से रुपए लेकर भाग जाता है।

चोर कभी कभार ग्राहक जिन नोटों की गणनती करता है उसी मूल्यवर्ग का एक नोट नीचे फेक कर अच्छे व्यक्ति की तरह ग्राहक को यह बता सकता है कि उनके रुपए नीचे गिर गए हैं। इस प्रकार वह ग्राहक का ध्यान बटककर ग्राहक के हाथ से नोटों को छीनकर भाग जाता है।

उदारता का नाटक करना

अपराधि उदार व्यक्ति की भांति नकद गिनने में मदद ग्राहक को मदद करने का प्रस्ताव कर सकता है। यदि भोला-भाला ग्राहक इन बातों में आजाता है और अपराधि को अपना नकद गिनने के लिए दे देता है तो, वह उसकी गणना करते करते चालाकी से कुछ नोट बंडल से नकाल देगा। ग्राहक इस बात संतुष्ट हो जाते हैं किसी भले व्यक्ति ने नोटों को गिनने में उनकी मदद की, बाद में घर जाने पर उन्हें यह कमी मालूम पड़ती है। यह माना जाता है कि अपराधि नकद की गणना करते समय ग्राहक को सम्मोहित कर उन्हें गुमराह कर देते हैं। चोर कभी कभी ग्राहक को यह भी कह सकते हैं कि वह बैंक द्वारा जारी नोटों में वह जाली नोटों का पता लगा सकते हैं। यह अधिकतर उन मामलों में होता है जहाँ आहरित राशि 500 के मूल्यवर्ग के हो। दोनों ही स्थितियों में परिणाम एक ही होगा और अंत में ग्राहक को यह मालूम पड़ता है कि उदार व्यक्ति के रूप में दिखने वाले व्यक्ति ने उन्हें गुमराह कर नकद की चोरी की है।

गुमराह करने के लिए विभिन्न तरीखें अपनाना

कभी-कभी ग्राहक जब नकद आहरित कर बैंक शाखा से बाहर जाते हैं तब यह पाते हैं कि उनकी गाड़ी (दो/ टार पहियों का) को किसी ने जानबूझ कर गंदा किया है। यह अपराधियों द्वारा आचरण की जाने वाली एक सामान्य कार्यप्रणाली है। इसका मकसद ग्राहक को उसके बैंग या ब्रीफकेस से दूर करना, जो वह अपनी गाड़ी को साफ करने के लिए करता है। चोर उस गाड़ी के आस-पास इसी मौके के इंतज़ार में छिपे रहते हैं और मौका मिलते ही बैंक या ब्रीफकेस के साथ फरार हो जाते हैं।

ग्राहकों को आहरण हेतु बैंक आते समय सावधान रहने की सलाह दी जाती है। उन्हें इस बात पर ध्यान देना होगा कि आहरण हेतु बैंक आते या जाते समय उनकी गाड़ी को या उन्हें कोई पीछा तो नहीं कर रहा है। निश्चित समय पर या निश्चित तथि को बैंक आना-जाना न करें। नीचे एटीएम ग्राहकों के लिए दी गई सावधानियाँ बैंक के सभी सामान्य ग्राहकों के लिए भी लागू होगी।

इसी प्रकार निश्चित समय पर या निश्चित तथि को बैंक में पैसे डालने की प्रथा न रखें। अपने बैंकिंग लेनदेनों में गोपनीयता बनाए रखना अपके व अपने रुपयों के लिए बेहतर होगा।